LORD SRI KALKI
ENLIGHTENMENT
FOUNDATION

नियमावली
एवं
सदस्यता फार्म

2020

Enlightenment is now made easy

Courses	Seminars	Publications
One-to-one Coaching	Workshops
Consultancy	Social Services
Lectures

* Enlightenment Studies * Upanishad * Gita *
Yoga * Astrology * Peace Education

LORD SRI KALKI ENLIGHTENMENT FOUNDATION
लॉर्ड श्री कल्कि ऐन्लाइटंमेन्ट फौंउन्डेशन

संस्था का उद्देश्य

- प्रबुद्धता या आत्मज्ञान तथा उसके विभिन्न पहलुओं के विषय में सूचना, ज्ञान तथा सेवा का प्रचार प्रसार करना।
- प्रबुद्धता तथा मुक्ति को चाहने वाले साधकगण को सनातन धर्म के आधार पर प्रबुद्धता, धर्म तथा सच्चे ज्ञान की सूचना प्रदान करना।
- प्रबुद्धता के ज्ञान तथा उसके विशाल ज्ञान के खजाने की खोज तथा इस विषय का विकास पूरे समुदाय में प्रकाशित तथा विकसित करना तथा कराना।
- ईश्वरत्व तथा उच्च जीवन के रूपान्तरण हेतु अपने पूर्वजों के दिव्य ज्ञान को वितरित करना तथा कराना।
- इस ग्रह को जीवन हेतु बेहतर बनाने के लिए तथा समुदाय को प्रेम व शान्ति का पाठ, शान्ति शिक्षा के द्वारा कराना।
- अंधविश्वास के नाम पर धर्म के पाखण्ड को समाप्त करना।
- प्रबुद्धता के ज्ञान हेतु एक पुस्तकालय तैयार करना।
- अपने सदस्यों को पत्र के माध्यम से प्रबुद्धता के ज्ञान के विषय में सूचना प्रसारित तथा प्रकाशित करना।
- पूरे विश्व के धार्मिक सम्मेलन में भाग लेना तथा प्रबुद्धता के सच्चे ज्ञान को रखना जो सभी धर्म का आधार है।
- प्रत्येक उम्र के छात्रों को ज्ञान की प्राप्ति के बारे में और इस ग्रह पर होने के बारे में सशक्तिकरण कराना।
- प्रबुद्धता, चेतना, रूपान्तरण की अवधारणा के शोध में मदद करना।
- विभिन्न संस्थान, समाजिक संगठन, समाज और व्यक्ति जो शान्ति, स्वतत्रंता और मानवता के बारे में समान विचार साझा रखते है उन्हें मदद करना।
- समाज में अहिन्सा तथा शाकाहारी भोजन में रूचि को बढ़ावा देना।
- दैवी गुणो से सम्पन्न सज्जनों को आपस में जोड़ना, तथा उन्हें प्रबुद्धता, चेतना, रूपान्तरण की तरफ और अग्रसर करना।
- प्रबुद्धता के ज्ञान तथा उसकी होने वाली विधि के जानने वाले को अवसर प्रदान करना तथा समुदाय व आमजन को प्रबुद्धता के ज्ञान से अवगत कराना।
- पुस्तकालय, सत्य साहित्य, पत्र तथा अन्य माध्यम से समाज को प्रबुद्धता के ज्ञान, धर्म, शान्ति, रूपान्तरण से संबधित विषयों से अवगत कराना।
- समाज में महिलाओं को नये ज्ञान और सूचना के साथ सशक्त बनाना, उन्हें मजबूत करना और प्रोत्साहित करना।
- प्रबुद्धता के विषय के बारे में जागरूकता हेतु कार्यशालाओं, सेमिनारों और

सम्मेलनों को आयोजित करना ताकि छात्र–छात्राओं और सभी वर्ग के व्यक्तियों के ज्ञान का विकास हो सके और वे एक अच्छे नागरिक बन सके तथा युवा युवाशक्ति के रूप में विकसित हो सके।

- उपरोक्त विवरणों को पूरा करने के लिए कार्यकारिणी समय समय पर विभिन्न प्रकार की सेवाओं को व्यवस्थित करेगी।
- युवाओं को उनके विद्यालय/संस्थान में जाकर योग व शान्ति शिक्षा प्रदान करना तथा शान्ति कार्यक्रम में भाग लेने में प्रोत्साहित करना।
- प्रबुद्धता और मानवता के क्षेत्र में काम करने वाले विभिन्न व्यक्तियों को सम्मानित करना।

नियमावली

संस्थान के उद्देश्य, नीति और नियम से पूर्ण सहमत कोई भी सज्जन पुरुष/स्त्री जो दैवी गुणो से सम्पन्न हो, इस संस्था के सदस्य हो सकेगें। सदस्यों के निम्नांकित वर्ग होगें।

- कोर सदस्य – मुख्य सदस्य
- संरक्षक सदस्य
- सहायक सदस्य
- सरल सदस्य – साधारण सदस्य
- शिक्षक सदस्य – आचार्य सदस्य
- शिष्य सदस्य
- साधक सदस्य
- विशेष सदस्य या प्रायोजित सदस्य

कोर सदस्य – मुख्य सदस्य

कोर – मुख्य सदस्य प्रबुद्ध है और उन्हें तीन प्रकार से वर्गीकृत किया जायेगा जो इस प्रकार है।

- प्रबुद्धता – प्रथम : हंस, परमहंस उपाधियुक्त।
- प्रबुद्धता – द्वितीय : परमानन्द, सदब्रम्हानन्द, कृतविध, दृष्टा आदि उपाधियुक्त।
- प्रबुद्धता – अन्तिम : अवतार, गुरू।

तीनों प्रकार के मुख्य सदस्य संस्थापक या संगठन के मुखिया द्वारा चयनित होंगे। इसके लिए कोई शर्त योग्यता नही है। यह कार्यकारिणी हैं।

संरक्षक सदस्य

जो कोई भी संस्था में प्रवेश लेता है और अपना पाठ्यक्रम पूरा करता है और किसी भी प्रकार से 251 क्रेडिट पॉइन्ट अर्जित करता है, वह व्यक्ति संगठन का आजीवन संरक्षक सदस्य होगें। वे सगंठन के विकास तथा संगठन को बनाये रखने में अपना योगदान प्रदान करेंगे और वे कार्यकारिणी का एक हिस्सा होगां। उनकी प्रबुद्धता के बाद वे मुख्य सदस्य बन जायेगें।

सहायक सदस्य

जो कोई भी संस्था में प्रवेश लेता है और अपना पाठ्यक्रम को पूरा करता है और किसी भी प्रकार से संस्था के 151 क्रेडिट पॉइन्ट अर्जित करता है, वह व्यक्ति संगठन का सहायक सदस्य 10 वर्ष की अवधि के लिए बन सकता है। सहायक सदस्य संगठन के विकास तथा संगठन को बनाये रखने में सहायक होगें।

उनकी प्रबुद्धता के बाद वे 1 वर्ष के लिए संरक्षक सदस्य बनेगें और इसके पश्चातृ मुख्य सदस्यता को ग्रहण करेंगे। इसके लिए अपनी उम्मीदवारी के लिए उन्हें कार्यकारिणी के समक्ष अपना आवेदन प्रस्तुत करना होगा। कार्यकारिणी सदस्य की प्रबुद्धता का निर्णय करेगी। सहायक सदस्य किसी भी सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशाला, में भाग लेने के लिए स्वतन्त्र होगें तथा वे अपने परिवार तथा मित्र में सिर्फ 5 को नामांकित भी कर सकेगें।

सरल सदस्य – साधारण सदस्य

जो कोई भी संस्था में प्रवेश लेता है और अपना पाठ्यक्रम पूरा करता है और किसी भी प्रकार से किसी भी रूप में 101 क्रेडिट प्वाइंट का अर्जन करता है, वह संगठन का सरल साधारण सदस्य है उनका आवेदन कार्यकारिणी द्वारा विचार किया जायेगा ।

सरल सदस्य समय समय पर किसी भी सेमिनार में भाग लेने के हकदार होगें और पूरे वर्ष के अन्तराल अपने परिवार और मित्र 'केवल 5' को नामित कर सकते है। संगठन के साथ उनकी सदस्यता 5 वर्ष के बाद समाप्त हो जायेगी। जिसके लिए उसको 50 क्रेडिट प्वांइट 10 प्रति वर्ष से अर्जित करना होगा। अन्यथा उसकी सदस्यता रद्द हो जायेगी। दुबारा सदस्यता हासिल करने के लिए पुनः आवेदन करना होगा।

प्रबुद्धता को प्राप्त करने के पश्चात् वे दो साल के लिए सहायक सदस्य और इसके पूर्णता के बाद 3 साल के लिए संरक्षक सदस्य होगें अन्त में मुख्य सदस्य बन जायेगें। इसके लिए अपनी उम्मीदवारी के लिए उन्हें कार्यकारिणी के समक्ष अपना आवेदन प्रस्तुत करना होगा। कार्यकारिणी सदस्य की प्रबुद्धता का निर्णय करेगी।

शिक्षक सदस्य – आचार्य

कोई भी व्यक्ति आचार्य पद के लिए आवेदन कर सकता है जो किसी विषय में जानकार हो तथा संगठन द्वारा निर्धारित समय पर प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक हो। वह या तो एक स्वंयसेवी या मानद के रूप में कार्य कर सकते है व सेमिनार या कार्यशाला आयोजित करने के पात्र होगें और संस्था के नियमों और शिक्षाओं का पालन करेगें।

वह चार प्रकार के होगें।

ब्रह्मज्ञान के आचार्य – ब्राहम्ण जाति
धर्म, ज्ञान और शास्त्र ज्ञान – क्षत्रिय जाति
अर्थ, व्यापार, वाणिज्य, वास्तु ज्ञान – वैश्य जाति
सेवा ज्ञान – शूद्र जाति

शिष्य

कोई भी व्यक्ति शिष्य बन सकता है अगर वह संस्था में प्रवेश लेता है अपना पाठ्यक्रम ज्ञानदा पूरा करता है अथवा कोई अन्य पाठ्यक्रम पूर्ण करता है। इसके अलावा वह स्कूल के नियमों और विनियमों का पालन करने के लिए सहमत हो जाता है। शिष्य सदस्य बनने के लिए उसे आवेदन के साथ निर्धारित शुल्क – सुरक्षा जमा राशि धनवापसी योग्य और कम से कम 1 क्रेडिट प्वांइट अर्जित या जमा करना होगा।
उसे वार्षिक शुल्क नियमित रूप से अग्रिम देना होगा और उसकी विफलता में उसकी सदस्यता रद्द कर दी जायेगी।
कक्षा 12 और पिछड़े वर्ग के छात्र/छात्राएं भी इस सुविधा का लाभ उठा सकते है उन्हें निर्धारित शुल्क – सुरक्षा जमा धन राशि वापसी और वार्षिक शुल्क के रूप में देय होगा।
वह वर्ष के दौरान आयोजित सेमिनारों में आजादी से भाग ले सकेगें, परन्तु उन्हें कम से कम 15 दिन पहले अपनी उपस्थिति की पुष्टि करनी होगी।
कोई भी छात्र अपने कार्यकाल के दौरान शोध पत्र प्रस्तुत करता है तथा संगठन के दौरान शोधपत्र प्रस्तुत करता है तथा संगठन को अपने माध्यम से कोई योगदान करता है तथा संगठन के आधारित क्रेडिट प्वांइट अर्जित करता है वो सरल सहायक और संरक्षक सदस्य की अर्हता प्राप्त कर सकता है।

साधक

जो कोई भी संगठन/स्कूल में प्रवेश लेता है वह साधक सदस्य होगा। इसमें उम्र, जाति, वर्ण आदि की बाधा नही है।

विशेष सदस्य या प्रायोजक सदस्य

कोई भी व्यक्ति विशेष या प्रायोजक सदस्यता हासिल कर सकता है जब वह किसी जरूरतमंद व्यक्ति/छात्र/छात्रा की शिक्षा का प्रायोजित करता हे/ अनुदान देता है। इसमे व्यक्ति को दैवी गुणो का होना अनिवार्य नही है। यह सदस्यता दैवी गुणो के विकास हेतु है।
देयराशि पाठ्यक्रम की फीस से कम नही होनी चाहिए।
उसे कम से कम 6 माह के अंतर्गत किसी न किसी व्यक्ति को नामांकित करना आवश्यक होगा और ऐसा न करने पर देय राशि वापस कर दी जायेगी तथा उसकी सदस्यता भंग कर दी जायेगी। वे अपने पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् दूसरे सदस्यता के लिए पलायन कर सकते है। इन्हें ऐसा करने पर 25 प्रतिशत कोर्स फीस पर छूट प्राप्त होगी।

सामान्य नियम

फीस

सभी प्रकार का शुल्क अग्रिम जमा करना होगा। सदस्यता की शुल्क साधारण

अधिवेशन द्वारा तय होगा।

सदस्यता रद्द करने का नियम

कोई भी सदस्य जो संगठन/स्कूल से अपनी सदस्यता को समाप्त करना चाहता है, उसे सचिव को लिखित आवेदन करना होगा। सचिव को पूरा अधिकार होगा कि वह किसी भी आवेदन को स्वीकार करे और प्रार्थी का जमा धन वापस करें।
जिस आवेदन पर विवादित मामला है वह सचिव द्वारा स्वीकार नही होगा, प्रबंधन समिति ऐसे मामलों का निपटारा करेगी।

सदस्यता रद्द करने का अधिकार

संगठन से किसी भी सदस्य के नाम को रद्द करने का प्रबन्ध समिति को पूर्ण अधिकार है। किसी सदस्य के कारण संगठन को कोई नुकसान हो तो या वह संगठन के नियमों का पालन न करे तब कार्यकारिणी के बैठक पर उस सदस्य का नाम विषय में होना चाहिए।
सदस्यता रद्द करने के लिए उर्पयुक्त नियमों के अनुसार सचिव समिति को सदस्यता के पुर्नस्थापना को पूछ सकते है।

वर्ष

इस संस्था का वर्ष 1 अप्रैल से प्रारम्भ होकर अगले वर्ष की 31 मार्च को समाप्त होगा।

अन्य नियम

क प्रत्येक सदस्य जो कोई भी संस्थान में प्रवेश लेता है शुरूआत में एक साधक होगा, लेकिन पाठ्यक्रम पूरा होने पर और आवश्यक शुल्क जमा करने के बाद ही अगले स्तर के योग्य होगा अर्थात शिष्य, सरल, सहायक, या संरक्षक।

ख प्रत्येक शिष्य को कम से कम 1 वर्ष के लिए सदस्य बनाया जायेगा।

ग सदस्यता कार्ड खोने के मामले में डुप्लीकेट सत्यापन के बाद रू 50/– देकर जारी किया जायेगा।

घ. वर्ष पूरा होने और सदस्यता रद्द करने के लिए आवेदन न देने पर वार्षिक शुल्क देय होगा।

ङ संस्थान की समस्त कार्यवाही हिन्दी और अग्रेंजी भाषा में लिखी जायेगी तथा समस्त रजिस्टर संस्थान में रहेगें।

च संस्थान की आम सभा तथा कार्यकारिणी समिति की बैठकों के समय आवश्यकतानुसार बन्द किये जा सकेगें।

छ संस्थान में धूम्रपान, मदिरापान, कोई भी नशा, नशे की हालत में आना, अश्लील या अशिष्ट भाषण, वादविवाद, कोलाहल, गाना गुनगुनाना, अथवा उच्च स्वर में बोलना, किसी प्रकार का नशा करना, अश्लील साहित्य

लाना या पढ़ना, अस्त्र–शस्त्र लाना इत्यादि वर्जित है।

ज सदस्यों को फर्श पर मेज में अशिष्ट या वर्जित तरीके से बैठना, भीड़ लगाना, अवाछंनीय तथा निषिद्ध प्रदशर्न करने का अधिकार न होगा।

झ नियमों के संशोधन, परिवर्तन, परिवर्द्धन इत्यादि केवल असाधारण सभा द्वारा उपस्थित सज्जनों की तीन चौथाई सहमति से ही हो सकेंगे। किन्तु संस्था के उद्देश्य व कार्यकारिणी समिति में तीन चौथाई प्रबुद्ध रहेगें। इसमें परिवर्तन किसी समय भी नही होगा।

सन्देश

सनातन धर्म मूल शाश्वत धर्म है जिससे अन्य धर्मो की उत्पत्ति हुई है। सनातन धर्म पूर्ण है और मुक्ति के मार्ग को बताने का एक मात्र साधन है, अतएव इसका पालन करना सर्वहितकारी है तथा इसका प्रचार–प्रसार करना धर्मसंगत है। आज इस कलयुग में यह संस्था एक मशाल के रूप में अज्ञानता के अंधकार को नष्ट करने हेतु भगवान श्री कल्कि का नाम लेकर ज्ञानरूपी रोशनी प्रदान करने की क्षमता रखती हैं। सर्वसाधारण से प्रार्थना है कि वह ऐसे सत्कर्म में हाथ बटाये एवं सहायता कर अपनी साथ समाज को उन्नत की ओर अग्रसर करें। उपदेश द्वारा जो धर्म प्रचार होता है उसका प्रभाव चिरस्थाई होने के लिए उस विषय का प्रचार होना परम आवश्यक है।

मेरा विश्वास है कि इस उपाय से समाज का सच्चा उपकार होगा और अंत में भारत पुनः अपने गुरुत्व को प्राप्त कर सकेगा। इस संदर्भ में मेरा प्रयास यह है कि मैं एक प्रबुद्धता का विद्यालय खोल कर उसमें सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करू तथा धर्म के रहस्य सम्बन्धी मौलिक पुस्तकों के द्वारा सच्चा ज्ञान प्रकाशित करूं ताकि यह मार्ग फिर से परिपक्त हो जाए क्योंकि मेरा मानना है कि अभी तक यह कार्य संतोषजनक नहीं हुआ है और इस कार्य में आप सबका सहयोग वन्दनीय हैं।

– गुरू श्री हितेन्द्र कृष्ण तिवारी

संस्था में प्रवेश/अनुदान हेतु संस्था द्वारा फार्म जो इस पुस्तिका के साथ संलग्न हैं पूर्ण भरकर तथा निर्धारित फीस चेक, बैंक ड्राफ्ट अथवा मनी ऑडर द्वारा संस्थान के पते पर भेजे या सम्पर्क करें।
आनलाईन मनी ट्रान्सफर के लिये नीचे दिये हुऐ खाता में धनराशि जमा करे।

Bank of Baroda, Sarvodaya Nagar, Kanpur
IFSC Code : BARB0BLYSAR [Fifth character is zero]
A/c No: 10440100007877
A/c holder name: Hitendra Krishna Tewari

संस्थापक – गुरू श्री हितेन्द्र कृष्ण तिवारी

श्री कृष्ण कुमार तिवारी – अध्यक्ष
श्रीमती नीलम तिवारी – उपाध्यक्ष
गुरू श्री हितेन्द्र कृष्ण तिवारी – प्रबन्धक /सचिव
श्री वरूण अग्रवाल – कोषाध्यक्ष
डॉ0 अक्षय अग्निहोत्री – सदस्य
श्री शिव शंकर मिश्रा – सदस्य
श्री शुभम बेरिवाल – सदस्य

हमारी क्रेडिट पालिसी

1 क्रेडिट पॉइन्ट = 10000 मन्त्र जप (लिखित), रक्तदान, संस्था हेतु एक दिवसीय कार्य, एक हजार रूपये का किसी भी रूप मे संस्था को दान।

10 क्रेडिट पॉइन्ट = संस्कृत भाषा, दर्शन शास्त्र, ज्योतिष, आयुर्वेद, योग, शान्ति, में स्नातक उपाधि अथवा इन विषयों में पुस्तक प्रकाशन।

10 क्रेडिट पॉइन्ट = संस्कृत भाषा, दर्शन शास्त्र, ज्योतिष, आयुर्वेद, योग, शान्ति, में परस्नातक उपाधि।

10 क्रेडिट पॉइन्ट = संस्कृत भाषा, दर्शन शास्त्र, ज्योतिष, आयुर्वेद, योग, शान्ति, में डॉक्टरेट उपाधि।

10 क्रेडिट पॉइन्ट = प्रबुद्धता विषय मे कोई कार्य, जिससे समाज में शान्ति तथा धर्म का प्रचार हुआ हों।

संस्था द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रम को पूरा करने पर भी क्रेडिट पॉइन्ट अर्जित किया जा सकता है।

आजीवन सदस्यता शुल्क – रू 5001.00 मात्र
वार्षिक सदस्यता शुल्क – रू 100.00 मात्र
कक्षा 12 तक के छात्र–छात्राएं के लिये – रू 21.00 मात्र
अपनी सदस्यता शुल्क हेतु चेक, मनी ऑडर, बैंक ड्राफ्ट या कैश द्वारा सचिव/कोषाध्यक्ष के समक्ष प्रदान करें। रसीद अवश्य प्राप्त करें।

क्रेडिट पॉइन्ट अर्जित करे और संस्था के विभिन्न सेवाओं का लाभ पायें।

अपने क्रेडिट पॉइन्ट को जानने के लिए वेबसाइट देखे – **www.lordsrikalki.com** या निम्न पते पर लिखे या सम्पर्क करें।

LORD SRI KALKI ENLIGHTENMENT FOUNDATION
लॉर्ड श्री कल्कि ऐन्लाइटंमेन्ट फॉउन्डेशन

Office: H. No - 116, Ramganga Sahkari Housing Society,
Naramau, G. T. Road,
Kanpur, Uttar Pradesh, India.
Phone: +91 8435458769, +91 6393233026
E-Email: lordsrikalki@yahoo.com
www.lordsrikalki.com

सदस्यता फार्म डाऊनलोड करने के लिए लिंक में क्लिक करें।